

प्र० 7

पाठ

उड़ाघर खोजूथिलि
भड़ाघर खोजूथिलि

भाड़े का घर ढूँढ़ रहा था

तारक : आपशं कालि गोपबन्धु छुकि
आड़े पाउथिले कि?

तारक : क्या आप कल गोपबंधु चौराहे की
तरफ जा रहे थे?

अजित : हूँ, पाउथिलि।

अजित : हाँ, जा रहा था।

तारक : क'ण बूलिबाकू पाउथिले ?

तारक : क्या घूमने के लिए जा रहे थे?

अजित : नाइँ, मूँ बूलिबाकू
पाउनथिलि।

अजित : नहीं, मैं घूमने के लिए नहीं जा रहा
था।

तारक : तेबे क'ण किट्ठि काम
थिला?

तारक : तब क्या कुछ काम था ?

अजित : हूँ, घरटिए खोजूथिलि।
मोर गला माथरे
भूबनेश्वरकू बदलि हौठेगला।
एबे ८ चिनि रव्वि खण्णु अचि
कम्भे रहिवाकू पढ़िब। उड़ा
घरटिए खोजिबा निहाति
दरकार।

अजित : हाँ, घर ढूँढ़ रहा था। पिछले महीने
मेरा भुवनेश्वर में तबादला हो गया।
अब तो यहाँ कम से कम तीन वर्षों
तक रहना पड़ेगा। एक किराये का
मकान ढूँढ़ना निहायत (अति)
आवश्यक है।

तारक : आप अगरू केउँठि थिले?

तारक : आप पहले कहाँ थे ?

अजित : मूँ दिल्ली में था।

तारक : वहाँ आप क्या करते थे।

अजित : वहाँ मैं कंप्यूटर इंजीनियर था। शोध

कार्य भी कर रहा था। मेरी पत्नी
वहाँ कंप्यूटर विज्ञान पढ़ रही थी।

?

अन्धित् : येठि मूँ कम्पुण्टर
झंगिनियूर थिलि । गबेषणा
मध्य करूथिलि । मो घु
येठारे कम्पुण्टर विज्ञान
पढूथिले ।

ठारक : एवे आपश एठि केउँ
अप्टिसरे काम करूच्छन्ति?

अन्धित् : मूँ एन.आर.सी रे चेज्ञानिक
थिलि ।

ठारक : आज्ञा, आपश येउँ प्रुकारर
घर खोद्दुथिले ये प्रुकारर
घर क'ण पाइले ?

अन्धित् : मूँ तिनि बक्षुरिआ घरटे
खोद्दुथिलि । ह्रेले येठि
बक्षुरिआ घर हुँ मिळूथिला ।
आनि कालि त घरटिए
मुबिधारे मिळूनाहि ।

ठारक : ये कथा त यष्टि ।

अन्धित् : आपश त ए जागारे पूरुणा
लोक । मठे घरटिए
खोद्दिबारे साहाय्य करन्तु
ना?

ठारक : मो बडि बापा नूआ घरटिए
करूथिले । ये उडाणिआ मध्य
खोद्दुथिले । येहि घरे

तारक : अब आप यहाँ कौन से ऑफिस में
कार्य कर रहे हैं ?

अजित : मैं एन.आई.सी. में वैज्ञानिक हूँ ।

तारक : अच्छा, आप जिस प्रकार का घर
दृ়ঢ় রहে थे, क्या उस प्रकार का घर
मिला?

अजित : मैं तो एक तीन कमरे वाला घर दृ়ঢ়
रहा था । लेकिन वहाँ एक कमरे
वाला घर ही मिल रहा था ।
आजकल तो एक अच्छा घर आसानी
से नहीं मिलता ।

तारक : वह तो सच है ।

अजित : आप तो यहाँ के पुराने आदमी
(काफी समय से) हैं । मुझे घर
दृ়ঢ়নे में मदद कीजिए न ?

तारक : मेरे ताऊ एक नया घर बना रहे थे
। वे किरायेदार भी दृ়ঢ় रहे थे ।
उस घर में तीन शयनकक्ष
(सोने के कमरे), रसोई घर,
स्नानगृह और भंडार-घर भी थे ।
पानी की टंकी भी बना रहे थे । क्या
आपको उस में सुविधा रहेगी?

अजित : जी हाँ ! मुझे ऐसा घर बहुत पसंद

ਤਿਨੋਟਿ ਸ਼ੋਇਬਾ ਘਰ, ਰਸ਼ਾ
ਘਰ, ਗਾਧੂਆ ਘਰ ਓ ਭਣ੍ਹਾਰ
ਘਰ ਮਧਾ ਥਿਲਾ। ਪਾਣੀ ਟਾਙਕੀ
ਮਧਾ ਕਰੁਥਿਲੇ। ਆਪਣਾਂ ਕਰ
ਏਠਾਰੇ ਸੂਬਿਧਾ ਹੈਵਕਿ?

ਅਜਿਤ : ਹੁੱ ਆਯਾ, ਏਹੁਂਪਰਿ ਘਰ
ਮੋਰ ਝੂਕ ਪਥਰ।

ਤਾਰਕ : ਤੇਚੇ ਕਾਲੀ ਮਧਾਹੂਰੇ ਮੋ
ਥਾਂਜਾ ਚਾਲਨ੍ਹੂ। ਘਰ ਦੇਖਿਬਾ।

ਅਜਿਤ : ਆਛਾ ਹੜ੍ਹ, ਬਹੂਤ ਧਨਧਾਰ।

ਹੈ।

ਤਾਰਕ : ਤਥ ਆਪ ਕਲ ਦੋਪਹਰ ਕੋ ਸੇਰੇ ਸਾਥ
ਚਲਿਏ। ਘਰ ਦੇਖੋਗੇ।

ਅਜਿਤ : ਅਚਾ ਜੀ, ਬਹੁਤ ਧਨਧਾਰ।

ਸ਼ਾਬਦਾਰ्थ

ਓਡਿਆ ਸ਼ਾਬਦ	ਹਿੰਦੀ ਅਰ्थ
ਗੋਪਬਨ੍ਧੂ ਤੁਕ	ਗੋਪਬੰਧੂ ਛਕ (ਏਕ ਚੌਕ ਕਾ ਨਾਮ)
ਚੂਲਿਚਾਕ੍ਤੁ	ਘੂਮਨੇ ਕੇ ਲਿਏ
ਖੋਦ੍ਧੁਥਿਲੀ	ਢੁੱਢ ਰਹਾ ਥਾ
ਤਿਨਿਬਈ	ਤੀਨ ਸਾਲ
ਅਤਿ ਕਮਾਰੇ	ਕਮ ਸੇ ਕਮ
ਗਿਵੇ਷ਣਾ	ਸ਼ੋਧ, ਗਵੇ਷ਣਾ
ਯੇਉੱ ਪ੍ਰਕਾਰ	ਜਿਸ ਪ੍ਰਕਾਰ
ਥੇ ਪ੍ਰਕਾਰ	ਉਸ ਪ੍ਰਕਾਰ
ਬਖੂਰੀਥਾ	ਕਮਰੇ ਵਾਲਾ
ਜਾਗਾ	ਜਗਹ
ਪੂਰ੍ਖਣਾ	ਪੁਰਾਨਾ
ਬਢ਼ਿਬਾਧਾ	ਤਾਜ, (ਪਿਤਾ ਕਾ ਬੜਾ ਭਾਈ)
ਭਢ਼ਾਹਿਥਾ	ਕਿਰਾਯੇਦਾਰ

ଶୋଇବା ଘର	ଶୟନ କକ୍ଷ
ରଣ୍ଧା ଘର	ରସୋଈ ଘର
ଗାଧୁଆ ଘର	ସନାନଗୃହ ଯା ନହାନେ କା କମରା
ଉଣ୍ଡାର ଘର	ଭଂଡାରଘର
ପାଣିଟାଙ୍କି	ପାନୀ କି ଟଂକି
ପଥଦ୍ରଷ୍ଟ	ପସଂଦ କରନା
ମଧ୍ୟାହ୍ନ	ମଧ୍ୟାହନ, ଦୋପହର

ଅଭ୍ୟାସ

I. ନିଚେ ଦିଏ ଗଏ ବାକ୍ୟ ଦୋହରାଇଏ ।

- 1) ଆପଣ ଗୋପବନ୍ଧୁ ଛୁକ ଆଡ଼େ ଯାଉଥିଲେ କି ?
- 2) ନାହିଁ, ବୁଲିବାକୁ ଯାଉ ନଥିଲି ।
- 3) ଘରଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି ।
- 4) ସେଠି ଆପଣ କ'ଣ କରୁଥିଲେ ?
- 5) ସେଠି ମୁଁ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଇଞ୍ଜିନିୟର ଥିଲି ।
- 6) ମୋ ସ୍ଵୀ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ବିଜ୍ଞାନ ପଢୁଥିଲେ ।
- 7) ଆପଣ ସେହି ପ୍ରକାରର ଘର ଖୋଜୁଥିଲେ, ସେ ପ୍ରକାରର ଘର କ'ଣ ପାଇଲେ ?

II. ନିଚେ ଦିଏ ଗଏ ବାକ୍ୟମୁଁ ମେ ରେଖାଂକିତ ଶବ୍ଦମୁଁ କେ ସ୍ଥାନ ପର ଦିଏ ଗଏ ଶବ୍ଦମୁଁ କା ପ୍ରୟୋଗ କର ବାକ୍ୟ ବନାଇଏ ।

- 1) ଉଦାହରଣ :- ମୁଁ ଘରଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି । 2) ମୁଁ ବହିଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି ।

ବହିଟିଏ	ଲେଖୁଥିଲି
ଉପନ୍ୟାସଟିଏ	ପଢୁଥିଲି
ମନ୍ଦିରଟିଏ	ଆଶୁଥିଲି
ଚିଦ୍ୟାଳୟଟିଏ	ଦେଉଥିଲି
ଅଧିଷ୍ଟଟିଏ	ନେଉଥିଲି
- 3) ମୋ ବଡ଼ବାପା ନୂଆ ଘରଟିଏ କରୁଥିଲେ । 4) ସେ ଉଡ଼ାଟିଆ

शोद्धुथिले ।

बापा	पिलामानङ्गु
जेजे बापा	आमकु
ददेइ	कलम
कका	पाठ्यपूस्तक
मामूँ	मठे
5) आपण <u>त्रिकआडे</u> याउथिले कि ?	6) नाईं मूँ <u>हुलिबाकु</u>
याउ नथिलि ।	

घरआडे	शेलिबाकु
वजारआडे	कट्टिबाकु
मूलआडे	करिबाकु
ऐ आडे	देवाकु
एआडे	राष्ट्रिबाकु

7) आपण येऊँ प्रकारर घर शोद्धुथिले ये प्रकारर घर क'ण पाइले ?

- वर
- लोक
- शाढी
- गहरा
- मिठा

III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।

उदाहरण :-

- 1) मो यूँ पढूथिले । (कम्पुयटर विज्ञान)
- 2) मो यूँ कम्पुयटर विज्ञान पढूथिले ।
- 2) मूँ शोद्धुथिलि (घरचिए) ।
1. मूँ घरचिए शोद्धुथिलि ।
1. मूँ पढूथिलि । (गपचट्टि)

ऐमाने पछुथिले। (कविता बहि)

तू पछुथिलू। (ज्यामिति बहि)

तूमे पछुथिल। (उपन्यास)

आपश पछुथिले। (नाटक)

2. मूँ पछुथिलि। (नाटकचिए)

मूँ शाउथिलि। (मिठाचिए)

मूँ देखुथिलि। (सिनेमाचिए)

मूँ गाउथिलि। (ओडिशा गातचिए)

मूँ किशुथिलि। (कलमचिए)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(बदलि, उड़ा, आदिकालि, गवेषणा, उड़ातिथा)

1. मूँ _____ घरचिए शोन्हुथिलि।

2. गला माघरे मोर _____ होउगला।

3. मूँ _____ करुथिलि।

4. ऐ _____ शोन्हुथिले।

5. उल घरचिए _____ सुविधारे मिलुनाहौँ।

V. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. आपश क'श गठ कालि बूलिबाकु _____ ? (घिबा)

2. तूमे कठकरे गठ बर्ष _____ । (पढ़िबा)

3. एबे एठि _____ पड़िब। (रहिबा)

4. आपश घर पसन्न _____ कि ? (करिबा)

5. मठे घरचिए शोन्हिबारे _____ ना ? (घाडायि करिबा)

VI. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओडिशा शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. आपशत ए _____ रे नूआ लौक। (स्थान)

2. मठे घर शोन्हिबारे _____ करन्हुना (मदद)

3. मो _____ नूआ घरचिए करुथिले। (ताऊ)

4. એટ્રી ઘરે ગોટીએ _____ અછું । (શયન કક્ષ)
5. કાલી _____ રે મો ઘાજો ટાલન્નું । (દોપહર)

VII. पाठ के अनुसार (क) और (ख) वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए ।

'ક'	'খ'
પૂરુણા	બણુટિઆ
ગોપબન્ધુ	ટાঞ্জি
ગાંધુથા	ছুক
ટિનિ	ঘৰ
પાણિ	লોક

VIII. કોષ્ઠક મें દી ગઈ ક્રિયાઓं મें સે ઉપયુક્ત ક્રિયા ચુનકર વાક્યો કા વિસ્તાર કિઝિએ ।

1. એ ગદેષણા _____ । (પઢિથિલે, કરુથિલે)
2. મુँ કમ્પુયટર બિજ્ઞાન _____ । (પઢુથિલિ, દેખુથિલિ)
3. એમાને પૂલકુ _____ । (ચાલુથિલે, યાદુથિલે)
4. તુ ઘરટીએ _____ । (મિલુથિલુ, ખોદુથિલુ)
5. મોટે યાદ્વાય્ _____ । (નિઅન્નુ, કરન્નુ)

IX. ઉદાહરણ કે અનુસાર દિએ ગए શબ્દોં કા પ્રયોગ કર વાક્યો કા વિસ્તાર કીજિએ ।

ઉદાહરણ:- તુમે ગારુથિલે । (ગીત)
 તુમે ગીત ગારુથિલ ।

1. આપણ પઢુથિલે । (બહુ)
2. એમાને લેખુથિલે । (કબિતા)
3. આમેમાને યાદુથિલુ । (રૂલિબાકુ)
4. તુમે યાદ્વાય્ કરુથિલે । (ગરિબ છ્છાત્રમાનજ્ઞુ)
5. મો બઢ બાપા કરુથિલે । (નૂઆ ઘરટીએ)

પઢિએ ઔર સમઝિએ

ઉક્કાળ મણિ

ઉત્કળ મणિ

गोपबन्धु दासकु उक्तल मणि कुहायाए । ए उशें देश एवक थिले । ए बन्धा ओ बाट्या समयूरे पैढित लेकमानङ्गर एवा करुथिले । योमानकु गोपबन्धु खाद्य ओ बस्त्र बाणुथिले । ए गरिब छात्रमानकु बहुत साहाय्य करुथिले । गोपबन्धु साक्षीगोपाल ०।।। रे 'सत्यबादी बनविद्यालय' स्थापन करिथिले । येठि छात्रमानकु देशप्रेम, सत्य ओ अहिंसा शिक्षा देउथिले । गोपबन्धु उशें कहि मध्य थिले । ए देश प्रेम मूलक कविता लेखिथिले । ताङ्क कवितार केतोठि धाढ़ि दिआगला ।

"मिशु मोर देहु ए देश माटिरे
देशबासी चालि याआनु पिठिरे
देशर स्वराज पथे येते गाढ़
पुरु तहीं पड़ि मोर मांस हाढ़ ।"

शब्दार्थ

ओडिशा शब्द	हिंदी अर्थ
उक्तल मणि	उत्कल मणि
उशें	एक
देश एवक	देश सेवक
बन्धा	बाढ़
बाट्या	आँधी / तूफान
पैढित	पीड़ित
एवा	सेवा
खाद्य	खाने की चीजें / खाद्य
बस्त्र	कपड़ा
गरिब	गरीब
देशप्रेम	देश भक्ति
सत्य	सत्य
अहिंसा	अहिंसा

शिक्षा	शिक्षा
कवि	कवि
देशप्रेममूलक	देशप्रेम पूर्ण
केतोठि	कुछ
धाढ़ि	पंक्ति / पंक्तियाँ

अभ्यास

I. पाठ के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. गोपबन्धु क'श कृहायाए ?
2. ये काहार येवा करुथिले ?
3. गोपबन्धु काहाकू बहुत याहाय प करुथिले ?
4. ये सत्यवादी बन विद्यालय केउँठ प्लापन कले ?
5. ये ह्रात्र मान्जु क'श शिक्षा देउथिले ?
6. गोपबन्धु कि प्रकार कविता लेखुथिले ?

II. परिच्छेद के अनुसार (क) और (ख) में दिए गए वाक्य खण्डों का सही मिलान कर पूरे वाक्य बनाइए।

'क'	'ख'
गोपबन्धु दासज्जु	बहुत याहाय प करुथिले।
ये गरिब ह्रात्रमानज्जु	उक्कल मणि कृहायाए।
ये देशप्रेम मूलक	शिक्षा देउथिले।
गोपबन्धु सत्यवादी बन विद्यालय	कविता लेखुथिले।
ये ह्रात्रमानज्जु देशप्रेम	प्लापन कले।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

वर्षक उले आमेमाने कचकरे थिलु प्रतेयकदिन चण्डी मद्दिरकु याउथिलु।

सकाले पूजा करूथिलू। प्रुठेपकदिन मा' चल्लुङ्कु पूजकमाने उन्न उन्न बेशरे घंटित करूथिले। देठारे बिभिन्न प्रकारर भोगराग किणिवाकु मिळूथिला। यथा:- उशुडा, खड, कदल, घिथ, दृप इत्यादि। एसरु आमे किंचि पूजा करूथिलू। देल भोगशुद्धिक नेल पूजक चल्लुङ्क पाखरे नेवेद्य करूथिले। मद्दिर शामनारे उकारामाने उक माशुथिले। मूँ मध्य शमशुङ्क टक्काए टक्काए देउथिलि। ता' परे आमेमाने घरकु फेरिआशुथिलू। बहुत उल लाशुथिला।

IV. ओडिआ में अनुवाद कीजिए।

मैं भुवनेश्वर गया। शहर सुंदर है। मंद वायु चल रही थी। पेड़ों की टहनियाँ हिल रही थी। वहाँ बड़े सुंदर भवन थे। मैं एक होटल में रहरी। बाज़ारों में भीड़ थी। कोई आ रहा था। कोई जा रहा था। भुवनेश्वर नगर में घूमने के लिए मुझे बहुत इच्छा हो रही थी। मुझे वहाँ के लोग बहुत अच्छे लगे। उन में कुछ लोग मेरे मित्र बन गए। वे भी मुझे बहुत पसंद करते थे। सबके साथ मिल रही थी। एक दिन हम सब सिनेमा, संग्रहालय, नंदनकानन, प्लानेटोरियम आदि गए। शामको लिंगराज और राममंदिर भी गए। तब बहुत आनंद लग रहा था। हम सब तालाब में स्नान भी किए। नहाने के बाद बहुत ठंड लगा। वहाँ के लोग कई तरह की चीज़ें बेच रहे थे। अपने अपने घर से हमारे मित्र खाना भी लाए। हम सब खाना खाए। एक साथ खाने में और रहने में बहुत मजा आया।

V. आप के घर के बारे में ओडिआ में एक छोटा-सा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में दो प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।

1. मौा शु 1 देठारे कश्मीपठर पछूथिले। मेरी पत्नी वहाँपर कंप्युटर पढ़रहेथे।
मो स्त्री सेठारे कंप्युटर पढ़ुथिले।
2. थापड़ा कालि गोपवशू छुक आउ याउथिले कि ?
आपण कालि गोपवन्धु छक आड़े
जाउथिले कि ?
3. नालँ मूँ बुलिवाकु याउनथिलि।
नहीं मैं घुमने नहीं जा रहा था।

आप काल गोपवन्धु चौक कि और
जा रही थी ?

वाक्य (1) में ओडिआ के अपूर्ण भूत काल क्रिया का प्रयोग हुआ है।

ओडिआ में अपूर्ण भूत काल में मूल क्रिया के साथ '-उ' (-उ) प्रत्यय जोड़ा जाता है

और पुरुष तथा वचन के अनुसार '-थिलि' (-थिलि), '-थिलू' (-थिलु), '-थिलै' (-थिले) सहायक क्रियाओं का प्रयोग होता है।

उत्तम पुरुष

एकवचन	मूँ पछूथिलि । मुँ पढुथिलि ।	मैं पढ़ रहा था/ रही थी ।
बहुवचन थे/रही थीं ।	आमेमाने/ आमेमाने पछूथिलू । आमेमाने / आम्भेमाने पढुथिलू ।	हम (लोग) पढ़ रहे

मध्यम पुरुष

एकवचन रही थी ।	तू पछूथिलू । तु पढुथिलु ।	तू पढ़ रहा था / तु पढ़ रही थी ।
बहुवचन थे/रही थीं ।	दूमेमाने/ दूमेमाने पछूथिलू । तुमेमाने / तुम्भेमाने पढुथिलू ।	तुम (लोग) पढ़ रहे
एकवचन	आपश पछूथिलै । आपण पढुथिलै ।	आप पढ़ रहे थे/रही थीं ।
बहुवचन	आपशमाने पछूथिलै । आपणमाने पढुथिलै ।	आप (लोग) पढ़ रहे थे/रही थीं ।

अन्य पुरुष

एकवचन	वे पछूथिला । से पढुथिला ।	वह पढ़ रहा था/वह पढ़ रही थी ।
बहुवचन	देमाने पछूथिलै । सेमाने पढुथिलै ।	वे (लोग) पढ़ रहे थे/रही थीं ।

उपर्युक्त वाक्यों की क्रियाओं से सातत्यता और अभ्यास का बोध होता है।

वाक्य (2) और (3) में सातत्य भूतकाल की क्रिया के प्रश्नवाचक और निषेधवाचक रूप हैं।

